UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NET BUREAU

Code No. : 43

Subject : RAJASTHANI

पाठ्य विवरण तथा नमूने के प्रश्न

निर्देश :

इस विषय के अन्तर्गत दो प्रश्न-पत्र होंगे। प्रश्न-पत्र—II में कुल 50 विकल्पी प्रश्न (बहु-विकल्पी, सुमेलित टाइप, सत्य/असत्य, कथन-कारण टाइप) होंगे जिनके कुल अंक 100 होंगे और प्रश्न-पत्र—III के दो भाग—A और B होंगे। भाग–A में 10 संक्षिप्त निबन्धात्मक प्रश्न होंगे (300 शब्दों के) जिनमें प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का होगा। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा जिसमें हर प्रश्न के साथ तत्सम्बन्धी इकाई से एक आन्तरिक विकल्प प्रश्न होगा। कुल अंक 160 होंगे। भाग–B अनिवार्य होगा और जिसमें इकाई–I से इकाई–X में से प्रश्न पूछे जाएंगे। परिक्षार्थी को भाग–B से एक प्रश्न करने होंगे (800 शब्दों का) जिसका अंक 40 होगा। प्रश्न-पत्र—III के कुल अंक 200 होंगे।

प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थी को अनिवार्यतः राजस्थानी में ही देने होंगे।

प्रश्न-पत्र—II और III (भाग–A और भाग–B)

इकाई—I : राजस्थानी भाषा एवं बोलियाँ

राजस्थानी भाषा का उद्‌भव और विकास

राजस्थानी की विभिन्न बोलियाँ; क्षेत्र एवं विशिष्टताएँ

प्रमुख लिपियाँ

इकाई—II : राजस्थानी व्याकरण

राजस्थानी वर्णमाला

राजस्थानी की विशिष्ट ध्वनियाँ

राजस्थानी व्याकरण—सामान्य ज्ञान

राजस्थानी शब्द-कोष लेखन परम्परा

इकाई—III : प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य (वीर एवं नीति-काव्य)

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी वीर-काव्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी नीति-काव्य

इकाई—IV : प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी काव्य (भक्ति एवं रीति-काव्य)

प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी भक्ति-काव्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी संत-काव्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी रीति-काव्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी शृंगारिक-काव्य

इकाई—V : आधुनिक राजस्थानी काव्य

राष्ट्रीय चेतना परक काव्य
प्रकृति परक काव्य
प्रगतिवादी काव्य
नई कविता

इकाई—VI : प्राचीन एवं मध्यकालीन राजस्थानी गद्य (विविध रूप)

बात
ख्यात
वचनिका
दवावैत
विगत
बालावबोध
टीका एवं टब्बा
वंशावली एवं गुर्वावली

इकाई—VII : आधुनिक राजस्थानी गद्य (विविध विधाएँ)

निबन्ध
कहानी
उपन्यास
नाटक
एकांकी
संस्मरण और रेखाचित्र

इकाई—VIII : राजस्थानी लोक-साहित्य (विविध विधाएँ)

राजस्थानी लोक-गीत
राजस्थानी लोक-कथा
राजस्थानी लोक-गाथा
राजस्थानी लोक-नाट्य
राजस्थानी लोकोक्ति-साहित्य (कहावतें एवं मुहावरे)

इकाई—IX : राजस्थानी लोक-संस्कृति के विविध आयाम

राजस्थानी लोक देवी-देवता

राजस्थानी लोकोत्सव (पर्व, मेले, तीज-त्यौहार)

संस्कार एवं अनुष्ठान (सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक)

लोक-कलाएँ (मोडणा, स्थापत्य-कला, चित्र-कला)

लोक-विश्वास एवं शकुन

रीति-रिवाज, खान-पान एवं वेशभूषा

ऋतु-विज्ञान एवं कृषि

इकाई—X : काव्य-शास्त्र

राजस्थानी के लक्षण-ग्रंथों का सामान्य परिचय

छंद

निर्धारित छंद—दूहौ, कुण्डळिया, छप्पय, नीसांणी, सावझड़ौ, झूलणा, साणोर, नाराच, मन्दाक्रान्ता एवं घनाक्षरी—केवल 10 छंद

अलंकार

निर्धारित अलंकार—यमक, वयणसगाई, श्लेष, रूपक, अतिशयोक्ति, वक्रोक्ति, उपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह एवं भ्रांतिमान—केवल 10 अलंकार

काव्य-दोष

निर्धारित काव्य-दोष—छबकाळ, पांगळौ, हीण, निनंग एवं अपस—(केवल 5 दोष)

नमूने के प्रश्न

प्रश्न-पत्र—II

1. कौन-सा शब्द पुलिंग है?

(A) पारी

(B) मटकी

(C) लोटी

(D) हाळी

2. निम्नलिखित में से किस पंक्ति में लिखे गये साहित्यकारों के नाम-काल-क्रमानुसार सही हैं?

(A) गोरधन सिंह शेखावत, शालिभद्र सूरि, महाराजा जसवंत सिंह

(B) मुरलीधर व्यास, बीठू सूजौ, चानण खिड़िया

(C) दीनदयाल कुंदन, बादर ढाढी, श्री लाल नथमल जोशी

(D) शिवदास गाडण, सूर्यमल्ल मीसण, कल्याण सिंह शेखावत

3. नीम के वृक्ष में लगने वाले कच्चे एवं पके फलों के नाम हैं

(i) खोखा

(ii) नींबोळी एवं सांगरी

(iii) नींबोळी एवं गुट्टा

(iv) काचरिया एवं खोखा

इसमें कौन-सी क्रमसंख्या पर लिखित शब्द उक्त प्रश्न के संदर्भ में सही हैं?

(A) (i) एवं (ii)

(B) (ii) एवं (iii)

(C) (iii)

(D) (iii) एवं (iv)

प्रश्न-पत्र—III (A)

1. भाषा-विज्ञान के आधार पर यह सिद्ध कीजिए कि राजस्थानी एक स्वतंत्र भाषा है।

अथवा

राजस्थानी भाषा की वीर-काव्य-परम्परा पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न-पत्र—III (B)

11. 'नाराच' अथवा 'छप्पय' की उदाहरण सहित परिभाषा दीजिए।

अथवा

राजस्थानी साहित्य के शृंगार-काव्य पर आलेख प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

राजस्थानी ख्यात साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

★ ★ ★